धर्म करम का ज्ञान नहीं

धर्म करम का ज्ञान नहीं,
अनजान जो पूजा पाठ से,
दो अक्षर का नाम जपो जीवन को बिताओ ठाठ से,
साईं साईं बोलो बस साईं साईं बोलो,

साईं शरण में आकर मैंने सीखा है बस इतना ज्ञान,
जीवन हो अरदास में और सब का करना है समान,
वो चीज कभी न अपनाओ जो मिले किसे अघात से,
दो अक्षर का नाम जपो जीवन को बिताओ ठाठ से,
साईं साईं बोलो बस साईं साईं बोलो,

मन्दिर घुमो मज्शिद घुमो चाहे घुमो चारो धाम,
माता पिता की सेवा में जो मन को मिलता है आराम,
एसा सुख बैकुंठ मिले न मिले किसी भी जाप से,
दो अक्षर का नाम जपो जीवन को बिताओ ठाठ से,
साईं साईं बोलो बस साईं साईं बोलो,

कर्म का फेरा बहुत बुरा है बुरा कभी न कर्म करो,
ओरो को पड़ने से पहले खुद को पेहले आप पड़ो,
मुख पर वाणी मीठी रख और पाप को बोलो नाप के,
दो अक्षर का नाम जपो जीवन को बिताओ ठाठ से,
साईं साईं बोलो बस साईं साईं बोलो,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14770/title/dharm-karm-ka-gyan-nhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |